

विधवा एवं निराश्रित बहनों के लिए ऊर्जामुनि फाउंडेशन की स्नेह-सेवा

ऊर्जामुनि फाउंडेशन द्वारा समाजसेवा की भावना के अंतर्गत 120 विधवा एवं निराश्रित बहनों को अनाज किट तथा साड़ी भेंट स्वरुप प्रदान की गई। यह सेवा केवल भौतिक सहयोग नहीं, बल्कि आत्मीयता, सम्मान और सहारे की भावना से की गई एक करुणामयी पहल थी।

इन बहनों के लिए यह सहायता केवल भोजन और वस्त्र नहीं थी, बल्कि समाज के स्नेह और सम्मान की एक सौम्य अभिव्यक्ति थी। इस सेवा ने उन्हें यह विश्वास दिलाया कि वे अकेली नहीं हैं — कोई है जो उन्हें अपना मानता है, और उनके सम्मान के लिए खड़ा है।

'सेवा ही मुक्ति है' — इसी मूलमंत्र को आत्मसात करते हुए ऊर्जामुनि फाउंडेशन निरंतर ऐसे कार्यों के माध्यम से समाज के वंचित और उपेक्षित वर्गों को गरिमा, अपनत्व और उजास प्रदान करने हेतु संकल्पबद्ध है।



पंचमहल जिले के 9 गांवों के 1,200 छात्रों को ऊर्जामुनि फाउंडेशन की शैक्षिक सहायता

ऊर्जामुनि फाउंडेशन द्वारा पंचमहल जिले के घोघंबा तालुका के 9 ग्रामों — नवा फलिया वगर, पांच महुडी, खानपाटला, खुटवाडिया, वांकोड, नाथपुरा, खुटिया, साधरा, रींछवाणी — की प्राथमिक शालाओं में अध्ययनरत 1,200 विद्यार्थियों को 5-5 नोटबुक (कुल 6,000 नोटबुक) वितरित की गई।

यह अभियान केवल शैक्षिक सामग्री देने तक सीमित नहीं था, बल्कि उन बच्चों के सपनों को आकार देने और पढ़ाई के प्रति उनका आत्मविश्वास बढ़ाने का प्रयास भी था। जब आर्थिक रुप से कमजोर परिवारों के बच्चों को अध्ययन हेतु जरुरी सामग्री बिना किसी संकोच के मिलती है, तो यह सेवा उन्हें एक नई दिशा देती है।

'सेवा ही मुक्ति है' के सिद्धांत को आत्मसात करते हुए ऊर्जामुनि फाउंडेशन शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में निरंतर सेवा करता आ रहा है। यह प्रयास भी उसी कड़ी का हिस्सा है, जहाँ ज्ञान के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की नींव रखी जा रही है।



2 ग्रामीण शालाओं के 200 विद्यार्थियों को ऊर्जामुनि फाउंडेशन की शैक्षिक भेंट

ऊर्जामुनि फाउंडेशन द्वारा आनंद जिले के आनंद तालुका की दो प्राथमिक शालाओं प्राथमिक शाला गमोटपुरा तथा प्राथमिक शाला गबापुरा — में अध्ययनरत 200 विद्यार्थियों को 5-5 नोटबुक्स का वितरण किया गया। इस सेवा कार्य का उद्देश्य बच्चों को आवश्यक शैक्षिक संसाधन उपलब्ध कराकर उन्हें पढ़ाई के प्रति प्रोत्साहित करना था।

जब किसी विद्यार्थी को अध्ययन के लिए जरुरी सामग्री समय पर और ससम्मान मिलती है, तो उसके आत्मबल और उज्जवल भविष्य की दिशा में यह एक सशक्त कदम होता है। ऊर्जामुनि फाउंडेशन ने न केवल नोटबुक्स दीं, बल्कि साथ ही शिक्षा के प्रति उनका विश्वास भी मजबूत किया।

'सेवा ही मुक्ति है' — इस मंत्र को आधार बनाकर संस्था लगातार ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को शिक्षित, समर्थ और आत्मनिर्भर बनाने हेतु कृतसंकल्प है। यह प्रयास उसी लक्ष्य की एक सुंदर अभिव्यक्ति है।



2 रासनोल शालाओं के 300 विद्यार्थियों को ऊर्जामुनि फाउंडेशन की शिक्षोपयोगी भेंट

ऊर्जामुनि फाउंडेशन द्वारा आनंद जिले के आनंद तालुका स्थित प्राथमिक शाला रासनोल कुमार तथा प्राथमिक शाला रासनोल कन्या — इन दो विद्यालयों के 300 विद्यार्थियों को 5-5 नोटबुक्स का वितरण किया गया। यह पहल शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग और प्रेरणा का प्रतीक बनी।

ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को समय पर शैक्षिक सामग्री प्राप्त हो जाए, तो वह न केवल उनकी पढ़ाई में सहायक होती है, बल्कि उनके आत्मविश्वास और सीखने की ललक को भी प्रबल करती है। ऊर्जामुनि फाउंडेशन का यह प्रयास विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक सशक्त कदम है।

'सेवा ही मुक्ति है' — इस मूलमंत्र को अपनाकर फाउंडेशन निरंतर शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सहयोग के क्षेत्र में कार्य करता आ रहा है। यह वितरण भी उसी सेवा भावना की एक सुंदर अभिव्यक्ति है, जो बच्चों को ज्ञान की ओर अग्रसर करती है।



गणेशपुरा और ईश्वरपुरा गांवों के 100 विद्यार्थियों को ऊर्जामुनि फाउंडेशन की शैक्षिक भेंट

ऊर्जामुनि फाउंडेशन द्वारा आनंद जिले के आनंद तालुका की दो प्राथमिक शालाओं प्राथमिक शाला गणेशपुरा तथा प्राथमिक शाला ईश्वरपुरा — के 100 विद्यार्थियों को 5-5 नोटबुक्स का वितरण किया गया। यह पहल ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से की गई।

यह वितरण केवल पाठ्य सामग्री तक सीमित नहीं था, बल्कि विद्यार्थियों के सपनों, आत्मविश्वास और उज्ज्वल भविष्य को आकार देने की एक छोटी लेकिन सशक्त कोशिश थी। जब बच्चों को बिना किसी संकोच के पढ़ाई की जरुरी सामग्री मिलती है, तो उनका मन और अधिक सीखने के लिए प्रेरित होता है।

ऊर्जामुनि फाउंडेशन 'सेवा ही मुक्ति है' के मूलमंत्र को अपनाते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य और सेवा के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार कार्य कर रहा है। यह शैक्षिक सहायता भी उसी श्रृंखला की एक प्रेरणादायक कड़ी है।



बालापुरा और मकनपुरा शालाओं के 150 विद्यार्थियों को ऊर्जामुनि फाउंडेशन की शैक्षिक भेंट

ऊर्जामुनि फाउंडेशन द्वारा आनंद जिले के आनंद तालुका स्थित प्राथमिक शाला बालापुरा एवं प्राथमिक शाला मकनपुरा के 150 विद्यार्थियों को 5-5 नोटबुक्स वितरित की गईं। इस पहल का उद्देश्य था कि बच्चों को पढ़ाई हेतु आवश्यक सामग्री बिना किसी बाधा के प्राप्त हो सके।

ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए यह सहयोग न केवल शैक्षणिक संसाधन प्रदान करता है, बल्कि उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देता है। जब छोटे-छोटे प्रयासों से बच्चों के मन में शिक्षा के प्रति उत्साह जागता है, तब वही प्रयास समाज के उज्ज्वल भविष्य की नींव बनते हैं।

'सेवा ही मुक्ति है' — इस विचारधारा को आत्मसात कर ऊर्जामुनि फाउंडेशन लगातार शिक्षा, स्वास्थ्य और सेवा कार्यों में जुटा हुआ है। यह शैक्षिक सहायता भी उसी सेवा-पथ की एक सुंदर अभिव्यक्ति है।



सुलतानपुरा और हाडियापुरा के 125 विद्यार्थियों को ऊर्जामुनि फाउंडेशन की शैक्षिक सेवा

ऊर्जामुनि फाउंडेशन द्वारा आनंद जिले के आनंद तालुका स्थित प्राथमिक शाला सुलतानपुरा तथा प्राथमिक शाला हाडियापुरा के 125 विद्यार्थियों को 5-5 नोटबुक्स वितरित की गईं। यह पहल ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को शैक्षिक सामग्री उपलब्ध कराने हेतु की गई।

यह वितरण केवल पाठ्य वस्तुएं देने की प्रक्रिया नहीं थी, बल्कि बच्चों के भीतर शिक्षा के प्रति रुचि, आत्मविश्वास और भविष्य के सपनों को संबल देने का एक विनम्र प्रयास था। संसाधनों की कमी बच्चों की पढ़ाई में बाधा न बने, यही संस्था का संकल्प है।

'सेवा ही मुक्ति है' इस सिद्धांत के साथ ऊर्जामुनि फाउंडेशन शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के विविध क्षेत्रों में लगातार कार्यरत है। यह शैक्षिक भेंट उसी सेवा यात्रा का एक प्रेरणादायक पड़ाव है।



दामपुरा और रामपुरा शालाओं के 225 विद्यार्थियों को ऊर्जामुनि फाउंडेशन की शैक्षिक भेंट

ऊर्जामुनि फाउंडेशन द्वारा आनंद जिले के आनंद तालुका स्थित प्राथमिक शाला दामपुरा तथा प्राथमिक शाला रामपुरा के कुल 225 विद्यार्थियों को 5-5 नोटबुक्स वितरित की गईं। इस पहल का उद्देश्य था कि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को शिक्षा के लिए आवश्यक सामग्री समय पर उपलब्ध हो सके।

शिक्षा एक मौलिक अधिकार है, और जब संसाधन सीमित हों, तब छोटी-छोटी सहायता भी बच्चों के आत्मबल और पढ़ाई के प्रति लगन को बढ़ाती है। यह वितरण केवल नोटबुक्स तक सीमित नहीं था, बल्कि उनके सपनों को आकार देने का एक सहयोगी प्रयास भी था।

'सेवा ही मुक्ति है' के पावन सिद्धांत को लेकर ऊर्जामुनि फाउंडेशन निरंतर शिक्षा, स्वास्थ्य और सेवा कार्यों में सक्रिय है। यह शैक्षिक सहयोग भी उसी सेवा संकल्प की एक सजीव अभिव्यक्ति है, जो हर बच्चे के उज्जवल भविष्य की ओर एक कदम है।



खंभोलज और कोचा तलावड़ी शालाओं के 100 विद्यार्थियों को ऊर्जामुनि फाउंडेशन की शैक्षिक भेंट

ऊर्जामुनि फाउंडेशन द्वारा आनंद जिले के आनंद तालुका स्थित प्राथमिक शाला खंभोलज ने. सेंटर तथा प्राथमिक शाला कोचा तलावड़ी के 100 विद्यार्थियों को 5-5 नोटबुक्स वितरित की गईं। यह सेवा प्रयास शिक्षा के प्रति सहयोग और संवेदनशीलता का प्रतीक रहा।

ग्रामीण परिवेश में अध्ययनरत बच्चों के लिए आवश्यक शैक्षिक सामग्री समय पर मिलना एक बड़ी प्रेरणा होती है। इस प्रकार की सहायता बच्चों को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और शिक्षा में निरंतरता बनाए रखने में सहायक बनती है।

'सेवा ही मुक्ति है' — इस मूल भावना को आत्मसात करते हुए ऊर्जामुनि फाउंडेशन निरंतर शिक्षा, स्वास्थ्य और सेवा के विविध क्षेत्रों में कार्य कर रहा है। यह शैक्षिक वितरण भी उसी सेवा पथ का एक प्रेरणादायक अध्याय है।